शो स्टॉपर

सुपर कमाण्डो ध्रुव

इंसान अपनी जिन दबी हुई भावनाओं व अतृप्त इच्छाओं को कभी व्यक्त नहीं कर पाता, वह अवचेतन मन में घर कर जाती हैं और अक्सर इंसान उन्हें स्वप्न के रूप में पूर्ण होता देख खुश हो लेता है।
लेकिन क्या हो अगर आपके मन की इच्छाएं यथार्थ रूप में आपके सामने आ खड़ी हों?
क्या हुआ ध्रुव, तुम हम सबको देखकर चौंक क्यों रहे हो ?
असंभव! यह कैसे हो सकता है?
मां-पिताजी और ज्यूपिटर सर्कस के बाकी कलाकार तो वर्षों पहले आग में जल कर मारे गए थे।
यह सभी जीवित कैसे हो सकते हैं!
ज्यूपिटर सर्क

अक्सर यथार्थ कल्पना से भी अधिक विचित्र व विचलित कर देने वाला होता है!

यथार्थ हमें कुछ ऐसा दिखा देता है...

...जो शायद हमारे अंतर्मन के किसी कोने में लंबे समय से दबा हुआ है।

पर जिसे हम मात्र अपनी कल्पना मानते आए हैं!

ध्रुव...उठ जा बेटा, शो का टाईम हो गया है!

मां! राधा मां! आप?

अरे! तू ऐसे क्यों चौंक रहा है? और मुझे मां से राधा मां क्यों बुलाने लगा तू?

अभी दस मिनट पहले ही तो सोया था!

अपने शो से पहले तू हमेशा दस मिनट की नींद लेता है!

श..शो ?

ज्यूपिटर सर्कस में तेरा 'शो-स्टॉपर' वाला शो जो तू हमेशा मेरे और श्याम के साथ करता है।

आ..आपके और पिताजी के साथ...ज्यूपिटर सर्कस में?

...जीती जागती सच्चाई है।
हैलो ध्रुव, शो के लिए बेस्ट ऑफ लक !
देख मोटरसाइक्लिस्ट पवन का शो मौत का कुआं खत्म हो गया!
सच्चाई जो अक्सर स्वप्न में आकर मन को विचलित करती थी।
छुरेबाज रंजन और निशानेबाज सुलेमान भी अपना एक्ट दे चुके हैं।
आज जब यह सच्चाई अनायास ही सामने आ गई है तो इस पर यकीन करना मुश्किल है।
इनमें से कोई भी अगला शो शुरू नहीं कर पाएगा अगर इस शो का अंतिम एक्ट समय पर नहीं हुआ जिसके लिए...
स्ट्राँगमैन हरक्युलिस और रिंगमास्टर शेरखान तो अगले शो की तैयारी भी कर चुके हैं।
आज दर्शकों की भीड़ और उत्साह दोनों कुछ ज्यादा हैं ध्रुव, ऑल द बेस्ट!

सारी ज़िंदगी मैंने अपने ख्वाबों में इस कल्पना के सच होने की दुआ मांगी है।
ध्रुव
ध्रुव
ध्रुव
ध्रुव
ध्रुव
ध्रुव
...तेरे पिताजी हमारा इंतज़ार कर रहे हैं।
आओ ध्रुव! दर्शक कब से बेसब्र हो रहे थे कि कब आएगा उनका...
संजय गुप्ता पेश करते हैं!
शो स्टॉपर
राज कॉमिक्स है मेरा जनून!
लेखक : नितिन मिश्रा ★ चित्रांकन : हेमंत कुमार ★ इंकिंग : विनोद कुमार
इफैक्ट्स: मोहन प्रभु ★ कैलीग्राफी, सह संपादक: मंदार गंगेले ★ संपादक: मनीष गुप्ता

क्या आपके जीवन में कोई ऐसा क्षण आया है...
जब हकीकत ख्वाब जैसी और ख्वाब हकीकत जैसा लगने लगे?
यह ऐसा ही क्षण है।
इस एक क्षण में यह फर्क कर पाना मुश्किल है कि हकीकत क्या है...
...और ख्वाब क्या?

जब एक क्षण के लिए लगने लगे कि आप वास्तविकता में नहीं किसी ख्वाब में जी रहे हैं।
और अगले ही क्षण...
वास्तविकता आपको थाम लेती है।
और ख्वाब के अंधेरे छंट जाते हैं।
बाप रे! एक पल के लिए तो मुझे लगा कि ध्रुव नीचे गिरने ही वाला है!
तड़
तड़
तड़
तड़
तड़
तड़
ये मां-बाप-बेटा जब भी एक्ट करते हैं, जान ही निकाल देते हैं।
"आखिर तुम्हें हो क्या गया था ध्रुव..."

...एक्ट करते-करते सपना देखने लगे थे क्या?
मुझे तो यह सब किसी सपने जैसा ही लग रहा है पापा। शायद मेरा अंतर्मन कहीं भटक गया था।
तुम्हारी एक सेकेंड की असावधानी आज सिर्फ तुम पर ही नहीं हम सब पर भारी पड़ जाती ध्रुव, सपने और वास्तविकता में फर्क करना सीखो।
अब बस भी कीजिए, कितना डांटेंगे मेरे बच्चे को?
बेचारा वैसे ही परेशान है, दरअसल गलती मेरी ही है, मैं ही इसे ज़बरदस्ती एक्ट के लिए ले गई थी, इसकी तबियत आज शाम से ही...
तुम बीच में मत बोलो राधा, तुम्हारे लाड़-प्यार ने ही इसे सर चढ़ा रखा है।
पिता जी! म.. मुझे माफ कर दीजिए।
आइंदा अपने दिमाग का नियंत्रण अपनी भावनाओं से हटने मत देना।
मैं ध्यान रखूंगा पिता जी।

यह सब क्या हो रहा है, मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं बहुत गहरी नींद से जागा हूं।
पर सोने के पहले की कोई भी बात मुझे याद नहीं आ रही, बस धुंधली-धुंधली सी झलक मात्र है।
अरे! अकेले-अकेले कहां जा रहे हो ध्रुव?
हमें भी साथ ले लो जहां जा रहे हो। हीहीही।
ठ...ठिंगू मास्टर!
ईयाऽऽऽ
किर्र...बज्ज्
हीहीही! कमाल है ध्रुव, तुमने आज मुझसे हाथ कैसे मिला लिया?
क्या तुम भूल गए कि मैं रोज तुम्हारी ओर हाथ बढ़ाता हूं पर तुम कभी मुझसे हाथ नहीं मिलाते क्योंकि तुम्हें पता है कि मैं अपने हाथ पर यह करेंट छोड़ने वाला मिनी शॉकर पहने रहता हूं!
आह! मैं वाकई भूल गया था ठिंगू मास्टर, वैसे हम यह खेल कबसे खेल रहे हैं?

जब तुम पांच साल के थे तब से, निरंतर रोजाना..
गुड नाईट ध्रुव, कल मिलते हैं।
मुझे कुछ ठीक-ठीक याद क्यों नहीं आ रहा? सब कुछ धुंधला सा है, सपने जैसा।
सपना! हां यह शायद सपना ही है, पर ऐसा कैसे हो सकता है? सपने इतने सजीव और सिलसिलेवार नहीं हो सकते।
यह काला लिबासधारी कौन है? यहां कैसे आया?
पता नहीं, इसकी फ्रीक्वेंसी नहीं मिल रही।
ऐसा कैसे हो सकता है?
यह तो छोकरे के पीछे ही जा रहा है, और हम इसे रोकने के लिए कुछ कर भी नहीं सकते।
ठिंगू मास्टर का दिया हुआ करेंट का झटका बिल्कुल वास्तविक था।
लेकिन करेंट के झटके ने मेरे दिमाग में घुमड़ रही कुछ धुंधली आकृतियों को साफ कर दिया है।
...ज्यूपिटर सर्कस के जल कर राख होने की आकृतियां।
पेट्रोल। पेट्रोल की गंध कहां से आ रही है?

यह सब क्या हो रहा है, रोको इसे।
रुक जाओ। कौन है वहां पर?
हम कुछ नहीं कर सकते। अब तो यह लड़का ही कुछ कर सकता है।
ऐसा लग रहा है जैसे पहले घटित हुई घटनाएं खुद को पुनः दोहरा रही हैं।
यहां तो मेरे कुछ करने से पहले ही गड़बड़ शुरू हो गयी।
सामने आने का यह मौका सही नहीं है, फिलहाल मुझे भागना होगा।
मैं तो यहां से चुप-चाप अपना काम कर के निकल जाना चाहता था।
धड़ाक
जैसे यह सब पहले भी घटित हो चुका है।
पर अब तेरा काम तमाम कर के जाना पड़ेगा।
वैसे भी ग्लोब सर्कस को बर्बाद करने में सबसे बड़ा हाथ तेरा है ध्रुव।
धाड़!
ग्लोब सर्कस पर ज्यूपिटर सर्कस नामक ग्रहण आज तेरे साथ ही राख हो जाएगा।
जैसे इस भयानक घटनाक्रम का मैं पहले भी साक्षी बन चुका हूं।

वही चेहरा! वही वहशियत! ग्लोब सर्कस का स्ट्राँग मैन ज़ुबिस्को।
तेरे पास एक ही रास्ता है ध्रुव, तू मुझे रोकने की कोशिश कर ले या राख होते ज्यूपिटर सर्कस को बचा ले।
मुझे यह नहीं पता कि बीता हुआ घटनाक्रम खुद को पुनः कैसे दोहरा रहा है, पर मैं इतना जानता हूं कि इस बार मैं अपनी पिछली गलती नहीं दोहराऊंगा।
आग फैलने से चारों ओर अफरा-तफरी मच गयी है, आग से डर कर बेतहाशा भागते जानवर खुद को या अन्य कलाकारों को कोई नुकसान पहुंचाएं...

...इससे पहले ही इन्हें और फैलती हुई आग को काबू करना होगा।
क्रियाँ... चीएँ... क्रियां
मेरी बात सुनो। डरो मत। हम लोग मिल कर इस आग को रोकेंगे।
क्रयाँ
धड़ाड़
धड़ाड़ धड़ाड़

तुमने सही समय पर आग को बढ़ने से रोक दिया ध्रुव, कोई भी हताहत नहीं हुआ।

मैंने पुलिस को फोन कर दिया है, पुलिस फोर्स आती ही होगी।

जब-तक पुलिस फोर्स आएगी तब-तक जुबिस्को बहुत दूर निकल चुका होगा पिताजी, मुझे खुद ही उसे रोकना होगा।

इस घटनाक्रम ने मेरी धुंधली यादें शीशे की तरह साफ कर दी हैं, मुझे याद आ चुका है कि मैं कौन हूं।

पर ऐसा कैसे हो सकता है?

मेरा क्राइम फाइटिंग करियर तो मां-पिताजी की मौत से ही शुरू हुआ था।

पर मां-पिताजी तो जीवित हैं, और ज्यूपिटर सर्कस व उसके सभी कलाकार भी।

इसका मतलब कि...

...मैं कभी सुपर कमांडो ध्रुव बना ही नहीं?

ध्रुव हमारे पीछे आ रहा है बॉंड।

यह काम मुझ पर छोड़ दो जुबिस्को, बॉंड का निशाना कभी नहीं चूकता।

इस बार चूकेगा बॉंड! इस बार तेरा निशाना चूकेगा।

धायँ!
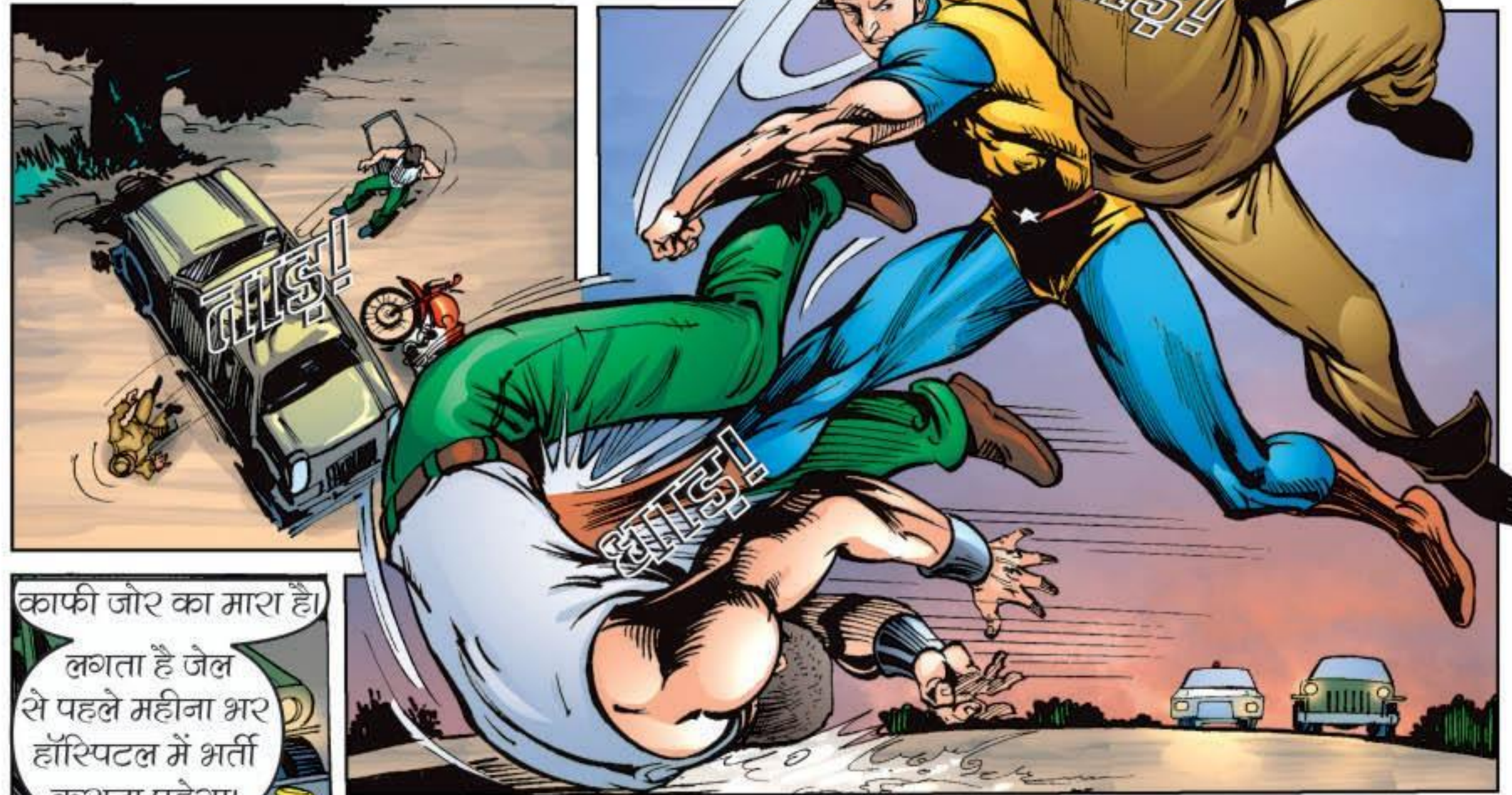
लेकिन ध्रुव इस बार नहीं चूकेगा।
धड़ाक!
ताड़!
ताड़!
धाड़!
काफी जोर का मारा है।
लगता है जेल से पहले महीना भर हॉस्पिटल में भर्ती कराना पड़ेगा।
तुम्हें भी हमारे साथ हेडक्वार्टर चलना पड़ेगा लड़के।
"तुमने तो कमाल कर दिया ध्रुव!"
पा..आ..आप!!

जिस समझ-बूझ से तुमने ज्यूपिटर सर्कस में लगी आग समय पर बुझाकर जान-माल का भारी नुकसान होने से बचाया वह काबिल-ए-तारीफ है।
जुबिस्को ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है और ग्लोब सर्कस के मालिक के खिलाफ गवाही भी दी है।
उसी के कहने पर सर्कस में आग लगाइ गई थी।
हमने ग्लोब सर्कस के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है।
क..क्या आप मुझे बता सकते हैं कि यह कौन सा साल है?
यह 2012 है, पर तुम अचानक साल क्यों पूछने लगे?
क्योंकि आज से तेरह साल पहले घटी ठीक एक ऐसी ही घटना में जुबिस्को ने ग्लोब सर्कस के मालिक के कहने पर ज्यूपिटर सर्कस में आग लगा दी थी। उस घटना में कोई भी नहीं बच पाया था।
सिर्फ एक ही लड़का जिंदा बचा था और वह मैं था।
व्हाट नॉनसेंस! पिछले तेरह सालों से ज्यूपिटर सर्कस इंडिया का नम्बर वन सर्कस है और तुम इसके सुपर स्टार हो।
मेरी बेटी श्वेता और मेरी बीवी रजनी तुम्हारी ज़बरदस्त फैन हैं।
यह कैसे हो सकता है? नहीं, यह सच नहीं हो सकता।
...या फिर आज तक मैं जो जिंदगी जीता आया वो सच नहीं थी?
शायद आज के हादसे ने तुम्हारे दिमाग पर गहरा असर डाला है। तुम्हें आराम की ज़रूरत है ध्रुव। यू मे गो नाऊ।

विश्वास नहीं हो रहा।
कल तक मैं कमिश्नर राजन का दत्तक पुत्र, श्वेता का भाई, रजनी का बेटा और राजनगर का रक्षक था।
मेरे असली माता-पिता राधा और श्याम वर्षों पहले ज्यूपिटर सर्कस में लगी आग में जल कर मर चुके थे।
लेकिन आज मेरे माता-पिता जीते जागते मेरे सामने हैं और जिन कमिश्नर राजन ने मुझे गोद लेकर पिता का मार्गदर्शन व प्यार दिया वह मुझे जानते तक नहीं।
ज्यूपिटर सर्कस कभी षड्यंत्र और हादसे का शिकार हुआ ही नहीं, पर ऐसा कैसे हो सकता है?
क्या आज-तक जो जिंदगी मैंने जी है वह एक चिर निद्रा का सत्य प्रतीत होता स्वप्न मात्र थी?
मुझे ऐसा क्यों लग रहा है जैसे मैं किसी लंबी नींद से जागा हूं? क्या मैं कभी सुपर कमांडो ध्रुव था ही नहीं?
क्या मैं हमेशा से शो स्टॉपर ध्रुव था?
मेरा दिल इस बात को मान लेना चाहता है कि मेरे माता-पिता संगी साथी सभी जीवित हैं और उनके साथ मैं एक सुखद जीवन व्यतीत कर रहा हूं।
ओफ्!
कौन हो तुम, मुझ पर वार क्यों कर रहे हो?
लेकिन मेरा दिमाग कुछ और ही कह रहा है...
तड़ाक!
कुछ ना कुछ तो गड़बड़ है...

अरे यह तो भाग रहा है, इसे रोकना होगा।
मुझे यकीन है कि मेरे काफी सवालों के जवाब इसके पास हैं।
तड़ाक!
ओ.के. मिस्टर! टॉम एण्ड जैरी खेलना बंद करें अब?
तड़ाक

तुम लोग यहां क्या कर रहे हो मैं जान चुका हूं।

शान्ति से अपने दोनों पैरों पर चल कर पुलिस स्टेशन जाना चाहते हो या स्ट्रेचर पर लेट कर ?

चेनसॉ काटेगा। अपनी आरी से ध्रुव को छोटा-छोटा काटेगा।

ट्राई योर लक।

ध्रुव को छोटा-छोटा काटना है।

बहुत ही छोटा-छोटा काटेगा चेनसॉ।

खटट्ट!

खटाक!

किसी महापुरुष ने कहा है कि छोटी सोच इंसान को हमेशा छोटा ही बनाए रखती है।

जीवन में कुछ बड़ा करना चाहते हो तो पहले अपनी सोच को बड़ा करो।

थिंक बिग!
धा..
ड़ा..
धड़ा..
अब इसके मालिक की बारी है।
कड़ड़ड़ाक!
चेनसॉ काटेगा। अपनी आरी से ध्रुव को छोटा-छोटा काटेगा।
अस्थिमार को ध्रुव की हड्डियां चाहिए माला बना के पहनने को।
हीहीहीही। घोंगा लड़के का गला बहुत ही प्यार से घोटेगा।
नहीं! फंदर के फंदों में फंस कर मरेगा यह लड़का। हीहीहीही।
कोई छुएगा नहीं इसे, जल्लू को जिंदा जलाना है ध्रुव को।

ध्रुव! ध्रुव! क्या हुआ तुम्हें? तुम ठीक तो हो?

तुम बेहोश कैसे हो गए?
और तुम्हारे माथे पर यह चोट कैसी है ?
ह..हरक्यूलिस। पवन। किसी ने मुझ पर हमला किया था।
लो पानी पियो, बेहतर महसूस करोगे।

किसने हमला किया था तुम पर?
पता नहीं, मैं उसकी शक्ल नहीं देख पाया।
शायद ग्लोब सर्कस का ही कोई आदमी होगा।

मेरे विचार से हमें सर्कस वापस लौटना चाहिए।
मुझ पर हमला कर के वह शख्स अचानक भागा क्यों?

राधा और श्याम तुम्हारे लिए परेशान हो रहे हैं ध्रुव।
वैसे हम लोगों ने मिल-जुल कर सर्कस एरीना और तम्बुओं को दोबारा ठीक-ठाक कर दिया है।
क्या मुझ पर हमला करने का उसका मकसद सिर्फ मुझे बेहोश करना था?
आप दोनों इस घटना के बारे में मां-पिता जी से कुछ मत कहिएगा। वे दोनों बेवजह परेशान होंगे।

जब मैं बेहोश हुआ तब मैंने खुद को सुपर कमांडो ध्रुव के रूप में देखा था।
चेनसॉ नामक बदमाश से लड़ते हुए। लेकिन मुझे इस नाम के किसी भी बदमाश के बारे में कुछ भी याद नहीं।
सोचने वाली बात यह है कि मेरी यादों में मैं क्राइम फाइटर सुपर कमांडो ध्रुव हूं।
लेकिन अगर यह सिर्फ मेरी कल्पना मात्र है और अपना अब-तक का सारा जीवन मैंने ज्यूपिटर सर्कस में ही बिताया है तो मुझे अपना यह अतीत याद क्यों नहीं है।
कैसे हो तुम सब साथियों?
क्रीं..क्रीं..चीं..ची. (हम सब ठीक हैं ध्रुव। आज तुमने हम सबको बचा लिया,हमें पता था कि हमारा बचपन का साथी हमें कभी कुछ नहीं होने देगा)।
यह सपना या नज़रों का धोखा नहीं हो सकता।
नज़रों के धोखे को स्पर्श नहीं किया जा सकता और ना ही वह भावनात्मक जुड़ाव हो सकता है जो मैं इस जगह, मां-पिताजी और बाकी लोगों के प्रति महसूस करता हूं।
ध्रुव, तुम सारी रात सोए नहीं क्या?
कोई बात तुम्हें परेशान कर रही है ?
म..मां! क..कोई भी बात नहीं है।
दरअसल...
मुझे अपना बीता हुआ कल याद नहीं है मां।

अपने बचपन से लेकर किशोरावस्था की बातें याद हैं, लेकिन उसके बाद से लेकर अब-तक का समय मैं बिल्कुल भूल चुका हूं।
अजीब बात है ध्रुव, ऐसा कैसे हो सकता है ?
तेरे जन्म से लेकर अब-तक हम हर पल तेरे साथ रहे हैं, आ मेरे साथ।
यह एल्बम?
तेरे बचपन से लेकर आज-तक के जीवन का हर पल इस एल्बम में कैद है।
मां ठीक कह रही हैं, इस फोटो एल्बम में मेरे बचपन से लेकर आज-तक के सभी महत्वपूर्ण पल कैद हैं।
स्माइल ध्रुव।
क्लिक
मेरे यानी शो-स्टॉपर ध्रुव के जीवन के महत्वपूर्ण पल।

ले! तेरा यह पल भी हमेशा के लिए संजो कर रख लिया मैंने। तेरे जीवन के किसी भी पल में हम तुझसे कभी दूर नहीं गए ध्रुव।
इससे बड़ा सबूत और क्या होगा इस बात का, कि मैं कोई सुपर कमांडो नहीं हूं।
थैंक्स मां, अब मैं बेहतर महसूस कर रहा हूं।
अरे पर सुबह-सुबह कहां चल दिया तू, कम से कम नाश्ता तो कर ले, तेरे पसंदीदा आलू के परांठे और मटर पनीर बना रही हूं।
नाश्ता ठंडा होने से पहले लौट आऊंगा मां।

नहीं। एक और शख्स है जो इस बात को प्रमाणित कर सकता है कि मैं सुपर कमांडो ध्रुव हूं या..
ठक-ठक-ठक
...ज्यूपिटर सर्कस का शो-स्टॉपर ध्रुव। आई कांट बिलीव दिस।
मी टू!
तुम मुझे ज़रूर अपना एक्सक्लूसिव इंटरव्यू देने आए हो राईट, जो कि मैं सर्कस की दुर्लभ होती कला पर लिख रही हूं?
इसका मतलब तुम अभी भी अपनी रिपोर्टर वाली जॉब कर रही हो!
अरे रिपोर्टर हूं तो रिपोर्टिंग ही करूंगी ना! तुम बैठो मैं हैंडीकैम सैट करके लाती हूं।
नताशा, क्या तुमने मुझे पहले कहीं देखा है?
नताशा ही वह आखरी उम्मीद थी जो मुझे सुपर कमांडो ध्रुव साबित कर सकती थी।
लेकिन नताशा भी मुझे शो-स्टॉपर ध्रुव के रूप में ही पहचानती है।
यह कैसा सवाल है ध्रुव?

मैंने तुम्हें ज्यूपिटर सर्कस में शो करते हुए कई बार देखा है।
नहीं नताशा, याद करने की कोशिश करो। हम दोनों एक-दूसरे को काफी अच्छी तरह से जानते हैं।
मेरी आखों में देखो नताशा, क्या तुम्हें कुछ भी याद नहीं?
ध..ध्रुव! बिहेव योर सेल्फ।
धड़ाम!
मैं आज-तक तुम्हें बहुत डीसेंट इंसान समझती थी, लेकिन तुम्हारी इस चीप हरकत ने मेरी गलतफ़हमी दूर कर दी।
उफ़! थोड़ा धीरे नहीं मार सकती थीं क्या?
वैसे गलती मेरी ही है। रोबो आर्मी की कमांडर को उसकी मर्जी के बिना हाथ लगाने का अंजाम यही होना था!
व्हॉट? तुम यह बात कैसे जानते हो, मेरे सिवा यह बात तो सिर्फ...
...कमिश्नर राजन की बेटी श्वेता जानती है, राईट?
तुम क्या हो, जादूगर या ज्योतिषी?
मैं ध्रुव हूं! तुम्हारा ध्रुव!
एक मिनट। दोबारा मारने से पहले मेरी पूरी बात सुन लो।

हुम्म! तो तुम्हारे हिसाब से तुम शो-स्टॉपर ध्रुव नहीं सुपर कमांडो ध्रुव हो।
कमिश्नर राजन ने तुम्हें गोद लिया है और तुम श्वेता के भाई हो!
असल जिंदगी में मैं तुम्हारी गर्लफ्रेंड हूं! तुम और पापा जानी दुश्मन हो।
और ये जिंदगी हकीकत ना होकर सपना है।
इग्जैक्ट्ली!
चटाक!
आऊ!
अब क्यों मारा?
तुम्हें यह बताने के लिए कि यह ज़िंदगी कोई सपना नहीं है क्योंकि सपने में दर्द नहीं होता।
तुम्हें मेरी नहीं किसी साइकैट्रिस्ट की हेल्प चाहिए ध्रुव, यू आर सिक।
हो सकता है तुम सही हो, लेकिन...
यदि मैं शो-स्टॉपर ध्रुव हूं और हम एक दूसरे को पर्सनली नहीं जानते तो तुम्हारे जीवन से जुड़ी व्यक्तिगत बातें मुझे कैसे पता हैं?
दुश्मन भी जिसकी तारीफ कर उठे ऐसा शातिर दिमाग है इस लड़के के पास! मैं समझ गया हूं कि यह क्या खेल खेलने जा रहा है!
पर इस छोकरे को अंदाजा नहीं है कि मैं इसके दिमाग के साथ क्या खेल खेल सकता हूं।
यही बात तो मेरी समझ में भी नहीं आ रही!
पापा या रोबो आर्मी से जुड़ा कोई भी व्यक्ति यह बात कभी किसी को नहीं बताएगा!
श्वेता पर मुझे पूरा भरोसा है कि वो मुझे धोखा कभी नहीं देगी।
आह!

ध्रुव! क्या हुआ तुम्हें?
मुझे ऐसा लग रहा है नताशा जैसे कोई मेरे दिमाग में एक साथ सैकड़ों नश्तर चुभो रहा हो।
मेरे दिमाग में चलचित्र की तरह कुछ दृश्य उभर रहे हैं।
यह तो पापा, मेरा मतलब कमिश्नर राजन का घर है, मम्मी और श्वेता घर में अकेले हैं।
इसका मतलब आपकी खोई हुई शक्तियां वापस आ रही हैं।
मेरी शक्तियां तो पहले ही वापस आ चुकी हैं मूर्ख, अब मैं इस लड़के के दिमाग के ज़रिये उन शक्तियों का विस्तार करूंगा।
राजन द्वारा मास्टर रोबो के करोड़ों के हथियारों का शिपिंग कंसाइनमेंट जब्त करने का खामीयाज़ा अब राजन के परिवार को भुगतना होगा।
जिस तरह राजन ने कंसाइनमेंट जब्त किया इलेक्ट्रोक्यूटर और मोर्टार राजन की बीवी और बेटी की जिंदगी भी उसी तरह ज़ब्त कर लेंगे।
उनकी जान को खतरा है, रोबो के आदमी उनपर हमला कर रहे हैं...
मुझे उन दोनों को बचाने जाना होगा।
रुक जाओ ध्रुव। मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगी।

बात अब हाथ से निकलती जा रही है, उस शैतान की शक्तियां इतनी जल्दी बढ़ जाएंगी इसका मुझे अंदाजा नहीं था।
अब सामने आने के सिवाय कोई चारा नहीं रह गया है।
कड़ड़ड़ाम!
अरे! कौन हो तुम लोग, घर की दीवार क्यों तोड़ रहे हो?
दीवार की फिक्र मत कर औरत।
इससे ज्यादा मज़बूत दीवार बना कर तेरी और तेरी बेटी की लाशों को उसमें चुनेगा मोर्टार।
आह!
मम्मी।

आह!
कि र्र र्र र्र र्र!!
हाहाहाहा! अपनी मां की चिंता छोड़ दे लड़की, जल्द ही तुम दोनों एक साथ मौत की नींद सोने वाले हो।
हाहाहाहा। जब राजन मेहरा घर लौटेगा उसकी बीवी और बेटी अनारकली बन चुकी होंगी।
मेरे परिवार को निशाना बना कर अपनी उम्र बढा ली है तुम दोनों ने, अब अगर यमराज खुद भी तुम दोनों की मौत का फरमान ले आएं...
धड़ाक!!
तो भी ध्रुव तुम्हें मरने नहीं देगा क्योंकि तुम्हारी जिंदगी मौत से भी ज़्यादा बदतर बनानी है मुझे।
मम्मी औरश्वेता के बदन पर आई एक-एक चोट की एवज में दस-दस हड्डियां तोड़ूंगा तुम्हारी।

मोर्टार तेरी ईंट से ईंट बजा कर रहेगा।

तड़ाक
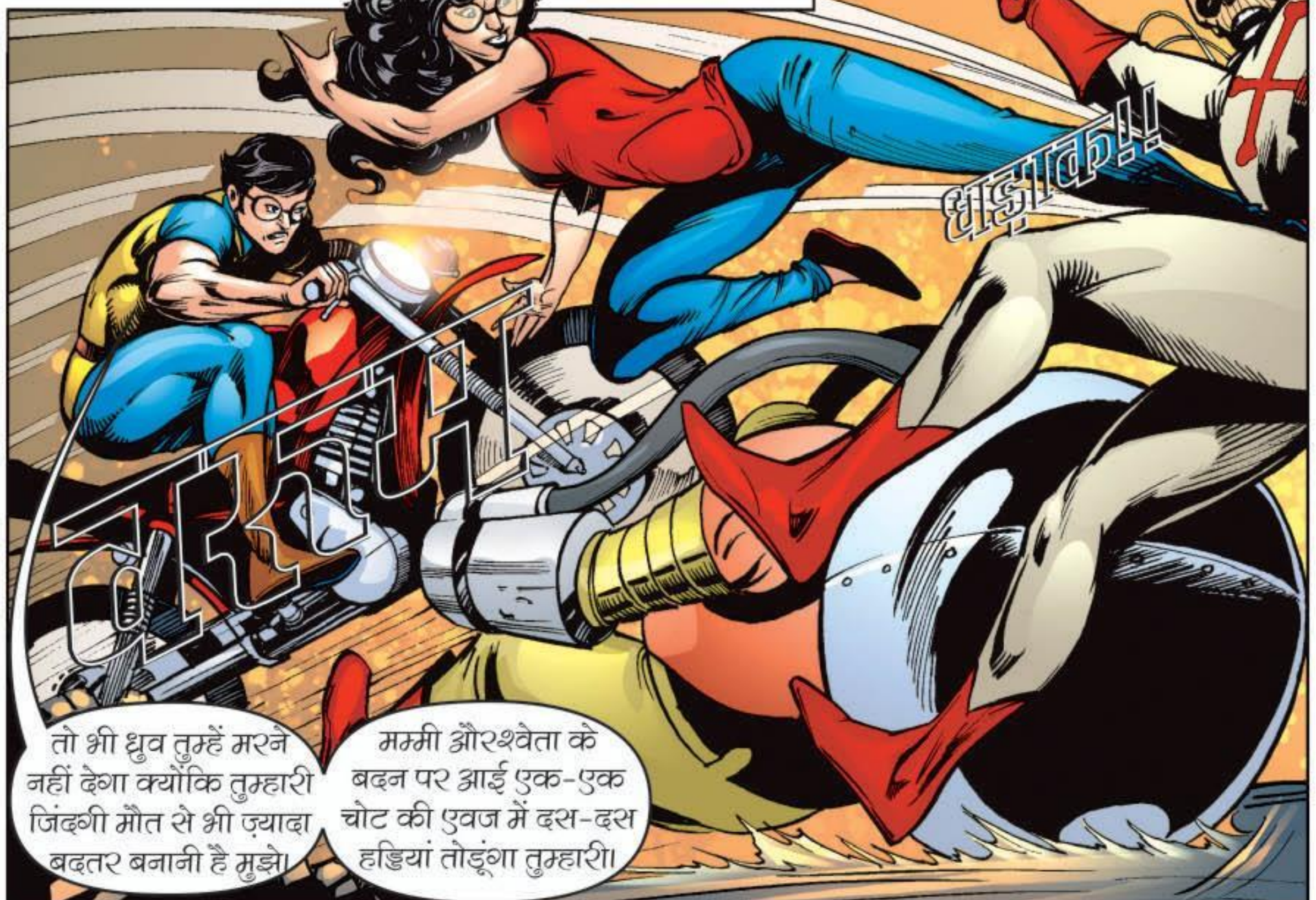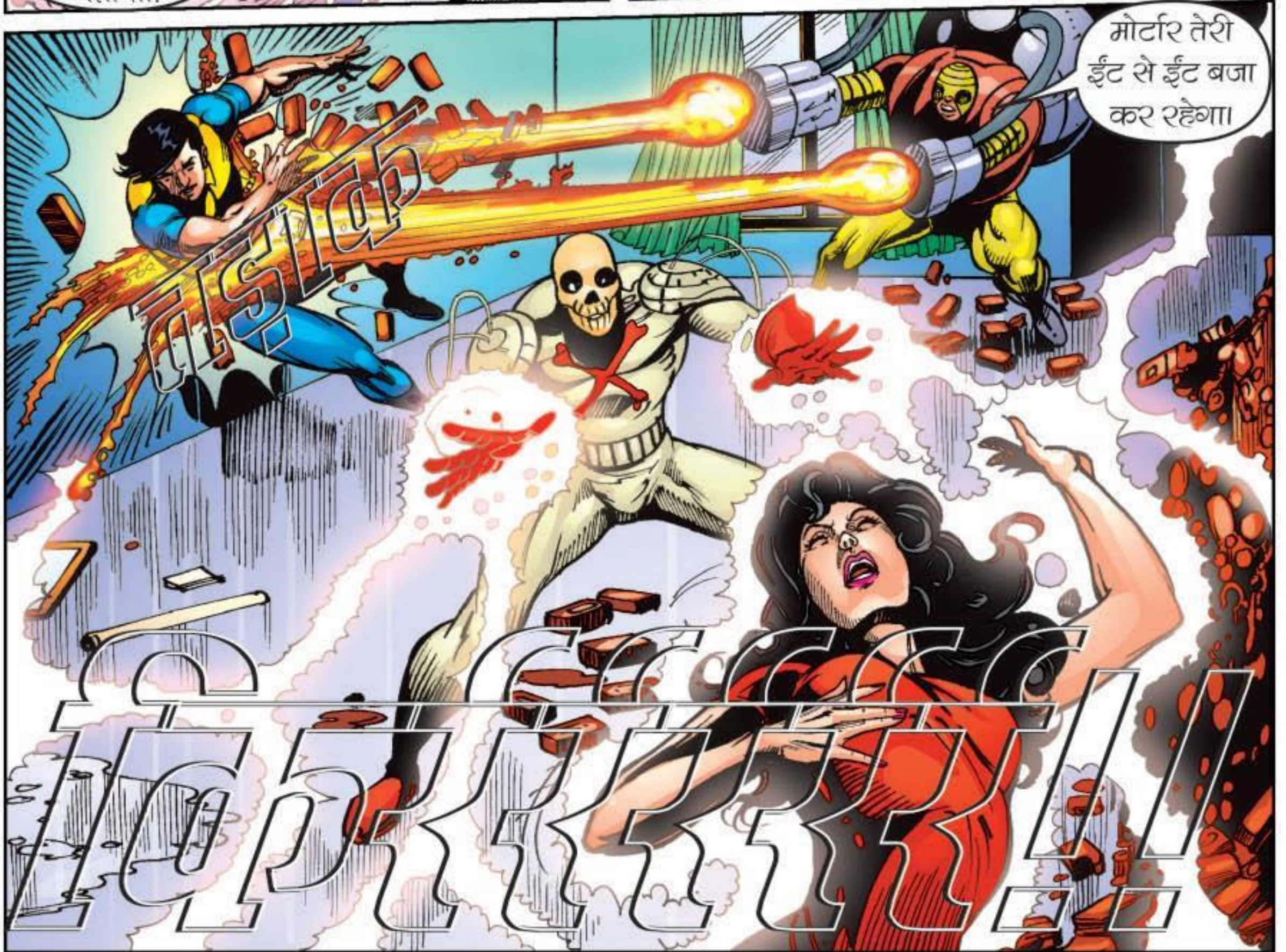
अपने शरीर पर लगी मशीन चलाने के लिए इसे काफी हाई वोल्टेज पॉवर सप्लाई की ज़रूरत होगी।
जो कि यकीनन इसे अपनी बेल्ट पर बंधे मिनी जनरेटर से ही मिल रही है।
शाबाश ध्रुव! तू अब तक मेरी उम्मीदों पर पूरी तरह खरा उतरा है। मुझे यकीन है कि तू आगे भी मुझे निराश नहीं करेगा।
ज़्ज़ाटाक
आर्घर्र्र्र्ऽऽ
अगला नम्बर तेरा है इलेक्ट्रोक्यूटर।
तुझे अंदाजा नहीं है तू किससे उलझ रहा है लड़के, इलेक्ट्रोक्यूटर तुझे ऐसा शॉक देगा कि तेरी आत्मा भी राख बन कर हवा में घुल जाएगी।
बहुत बड़ी-बड़ी बातें बनाता है तू!
ईयाऽऽऽ
स्प्लैश
गार्डन हौज़ पाईप का सामना ना कर सका! लैदर के बजाय रबड़ पहनता तो ये हाल नहीं होता।

तुम वही हो ना जिसने कल रात मुझपर हमला किया था ?
तुम्हें बेहोश करना मेरी मजबूरी थी, क्योंकि तुमने तो लगभग मान ही लिया था कि तुम शो-स्टॉपर ध्रुव हो...
...सुपर कमांडो ध्रुव नहीं! तुम्हारे सुप्त मस्तिष्क को तुम्हारे चेतन मस्तिष्क से जोड़ने का सबसे कारगर तरीका मुझे यही लगा।
त..तुम रिचा हो ना? य...यानी मेरा शक सही था। यह वास्तविक दुनिया नहीं है।
तुम तो कह रहे थे कि मैं तुम्हारी गर्लफ्रेंड हूं, तो फिर यह कौन है?
वास्तविक जीवन की तरह तुम्हारे अंतर्मन ने भी नताशा की छवि एक शक्की और पजेसिव गर्लफ्रेंड की बनाई है।
तुम इसे कैसे जानते हो?
मुझे नहीं पता था कि नताशा के बारे में तुम्हारे और मेरे विचार एक से हैं।
मैं तुम्हारा मतलब नहीं समझ पा रहा हूं ऋचा...
...तुम कहना चाहती हो कि ये सब कुछ मेरे मन की कल्पना मात्र है?
जिस दुनिया में अभी तुम रह रहे हो, जो भी किरदार तुम्हारे आस-पास हैं यह सब कुछ वास्तविक नहीं बल्कि तुम्हारे अंतर्मन के बुने हुए हैं जिन्हें जीवंत खुद तुमने किया है ध्रुव।
यह कैसे हो सकता है, अंतर्मन की कल्पनाएं वास्तविक रूप कैसे ले सकती हैं ?
यह सब इसे कैसे पता है?
कोई फर्क नहीं पड़ता, यह सब ध्रुव को बता कर यह लड़की ध्रुव के दिमाग पर और दबाव डाल रही है।

और यदि यह सब वास्तविकता नहीं मेरे अंतर्मन की कल्पना मात्र है तो मम्मी और श्वेता का नुक्सान होने का ख्याल मैं कभी दिल में भी नहीं ला सकता।
तुम्हारे डर की वजह से कि तुमसे या कमिश्नर अंकल से बदला लेने के लिए कोई श्वेता और तुम्हारी मम्मी को नुक्सान पहुंचा सकता है।
तुम्हारे इसी डर का फायदा वह शक्ति उठा रही है जिसकी वजह से तुम यहां हो।
तुम्हारे अंतर्मन की दमित इच्छाएं और छिपे हुए डर जैसे-जैसे बाहर आ रहे हैं, उसकी मानसिक शक्तियां बढ़ती जा रही हैं।
अब तक तुम्हारे अनुसार रूप लेने वाले तुम्हारे विचारों को वह शक्ति अब अपनी मानसिक शक्ति से तुम्हारे खिलाफ संचालित कर रही है।
रजनी! श्वेता! तुम्हें इस हाल में पहुचाने वाले को बख्शुंगा नहीं मैं।
किसकी मानसिक शक्तियां बढ़ रही हैं ?
रोबो के आदमियों ने आपसे बदला लेने के लिए आंटी और श्वेता पर हमला किया था अंकल, ध्रुव ने सही समय पर आकर इन्हें बचा लिया।
ध्रुव के इस एहसान का बदला मैं जरूर चुकाऊंगा...
और जितना ध्रुव अपने दिमाग पर जोर डालता जाएगा, मेरी शक्तियां उतनी ज्यादा बढ़ती जाएंगी।

...अपने हाथों से ध्रुव को मोक्ष देकर।
पापा होश में आइए, मैं आपका ध्रुव हूं।
वह मानसिक शक्ति तुम्हारे अंतर्मन के किरदारों को अपने हिसाब से चला रही है।
इनकी सोच और इनके दिमाग को कंट्रोल कर रही है।
तुम्हारी किसी भी बात का कमिश्नर राजन पर कोई भी प्रभाव नहीं पड़ने वाला क्योंकि यह वास्तविक कमिश्नर राजन नहीं सिर्फ उनका विचार है।
हमें यहां से फौरन निकलना होगा।
इतनी भी जल्दी क्या है चुड़ैल।
ध्रुव के साथ तू भी मरेगी।
यह सब क्या हो रहा है।?
ध्रुव हमारा दुश्मन है।
ध्रुव ने हमें नुक्सान पहुंचाया है, ध्रुव को मरना होगा।
उफ! मम्मी और श्वेता भी।
किर्रर्र्र्र्र!!
यहां हमारी मौत मतलब असली दुनिया में भी मरना तय।
लेकिन मैं मरने के मूड में नहीं हूं।
कमऑन ध्रुव! जब तक वे संभलें हमें यहां से निकलना होगा।
लेकिन हम जा कहां रहे हैं?
वापस ज्यूपिटर सर्कस, इस काल्पनिक दुनिया से निकलने की कुंजी वहीं है।
पर मैं तुम्हारी बातों पर यकीन क्यों करूं?
तुम्हारे मुताबिक यदि यह सब किसी मानसिक शक्ति का षड्यंत्र है तो क्या सबूत है कि तुम उस षड्यंत्र का हिस्सा नहीं हो?

मेरी बेटी को धोखा दिया है तूने ध्रुव, रोबो छोड़ेगा नहीं तुझे।

मुझे ध्रुव को खुद मारना है पापा।

रोबो आर्मी, ध्रुव को बंदी बना कर हमारे कदमों में डाल दो, लेकिन जिंदा।

राजनगर का मोस्ट वॉन्टेड अपराधी है ध्रुव, पकड़ लो इसे।

धाड़!
ताड़!
खटाक
खड़ाक
खट्ट
धड़ाक!
तमाशा क्या देख रहे हो पकड़ो उसे, मुझे ध्रुव जिंदा चाहिए।

जिंग जिंग जिंग जिंग जिंग जिंग जिंग

ध्रुव कानून का मुजरिम है, ध्रुव उनके नहीं हमारे कब्जे में होना चाहिए।

यह हमें आसानी से सर्कस तक पहुंचने नहीं देंगे ध्रुव।

मजाक कर रही हो रिचा, यह लोग तो हमें सर्कस तक फ्री राइड देने वाले हैं।

ताड़!

धाड़

थैंक्स फॉर दी राइड, यहां से आगे हम खुद चले जाएंगे।

आह!!
रिचा!!
झिंग
तुम्हें यहां से बाहर निकलना होगा ध्रुव वरना तुम्हारा दिमाग जल्द ही अपना संतुलन खो देगा और तुम पूरी तरह से उस शक्ति के गुलाम बन जाओगे।
सर्कस पहुंचो ध्रुव! सर्कस पहुंचो।
लड़की!! काले कपड़ों वाली गोरी लड़की।
इसे भी छोटा-छोटा काटूंगा मैं।
हीहीही! फंदर अपने फंदे की माला पहनाएगा इसे।
मैं वास्तविक दुनिया में वापस आ गई, मुझे जहां गोली लगी थी वहां से सही में खून बह रहा है
और ऐसी स्थिति में इन दरिंदों से लड़ पाना थोड़ा मुश्किल काम है।

पर इस वक्त मुकाबला करने के सिवाय और कोई चारा भी नहीं है।
आआआंईईईईई
मुझे इन पागलों का खिलौना बनने का कोई शौक नहीं है।
बहुत उछल कूद करती है, घोंगा घोंट देगा गला फिर नहीं उछलेगी।
लड़की ने काटा! चेनसॉ लड़की को काटेगा।
आह! खून ज्यादा बह जाने की वजह से मैं इन पागलों की ताकत का सामना नहीं कर पाउंगी।
लगता है तेरा टाईम अप होने वाला है ब्लैक कैट।

लाख कोशिश कर ले ध्रुव, रोबो तेरा पीछा कभी नहीं छोड़ेगा।
हूम
मैंने इस लड़के के सुप्त मस्तिष्क के सभी विचार पढ़ लिए हैं।
मैं अपनी विकसित मानसिक शक्तियों से अब उन सभी प्राणियों के प्रतिरूप बना सकता हूं...
...जिनका सामना यह लड़का कर चुका है।

डायनोसौर्स।
इन प्राणियों से निपटने के लिए इसे भारी मात्रा में मानसिक ऊर्जा का प्रयोग करना होगा, जिसके कारण पहले से ही इसके तनावग्रस्त मस्तिष्क पर और दबाव पड़ेगा।
क्रियाँ!!!!!
वह मानसिक शक्ति मेरे सुप्त मस्तिष्क के विचारों के आधार पर इन जीवों को जीवित कर रही है।
जब मेरा सामना पहली बार महामानव से उत्तरी ध्रुव में हुआ था तब उसके साथ उसका पालतू डायनोसौर भी था।
उस शक्ति ने मेरे अंतर्मन की उसी याद को क्रियाशील किया है, इसका सबूत है राजनगर में उत्पन्न होते उत्तरी ध्रुव के यह दृश्य।

वह शक्ति मेरे अंतर्मन के विचारों को मेरे ही विरुद्ध हथियार के रूप में प्रयोग कर रही है।

लेकिन ऐसा कर के उस मानसिक शक्ति ने मुझे इनसे निपटने के कई सुगम साधन दे दिए हैं।

कड़ड़च
जैसे ही डायनोसौर्स का हमला शुरू हुआ पुलिस फोर्स और रोबो की आर्मी शांत पड़ गयी है।
यानी मानसिक शक्ति का पूरा ध्यान डायनोसौर्स को ही कंट्रोल करने पर केंद्रित है जो कि मेरे लिए फायदेमंद है।
भड़ाम
यदि यह लोग मेरे अंतर्मन द्वारा उत्पन्न विचार मात्र हैं जिन्हें कोई दूसरी मानसिक शक्ति कंट्रोल कर रही है तो मैं इन विचारों को स्वयं भी कंट्रोल कर सकता हूं।
तू खुद चल कर अपनी मौत के पास आ गया है ध्रुव।
रोबो, नताशा मेरी बात सुनो! व्यर्थ में एक दूसरे से लड़ने का कोई फायदा नहीं है।
यह शैतान की आंत इनकी फ्रीक्वेंसी कंट्रोल करने की कोशिश कर रहा है।

इसकी बातों में मत आइए पापा, हमें इसे खत्म कर देना चाहिए।

आह! ऐसा लगता है इतने मानसिक दबाव के कारण मेरा मस्तिष्क फट जाएगा।
लेकिन मुझे यह करना ही होगा, हर हाल में करना होगा।
नताशा! रोबो! तुम दोनों वैसा ही करोगे जैसा मैं तुम्हें आदेश दूंगा।
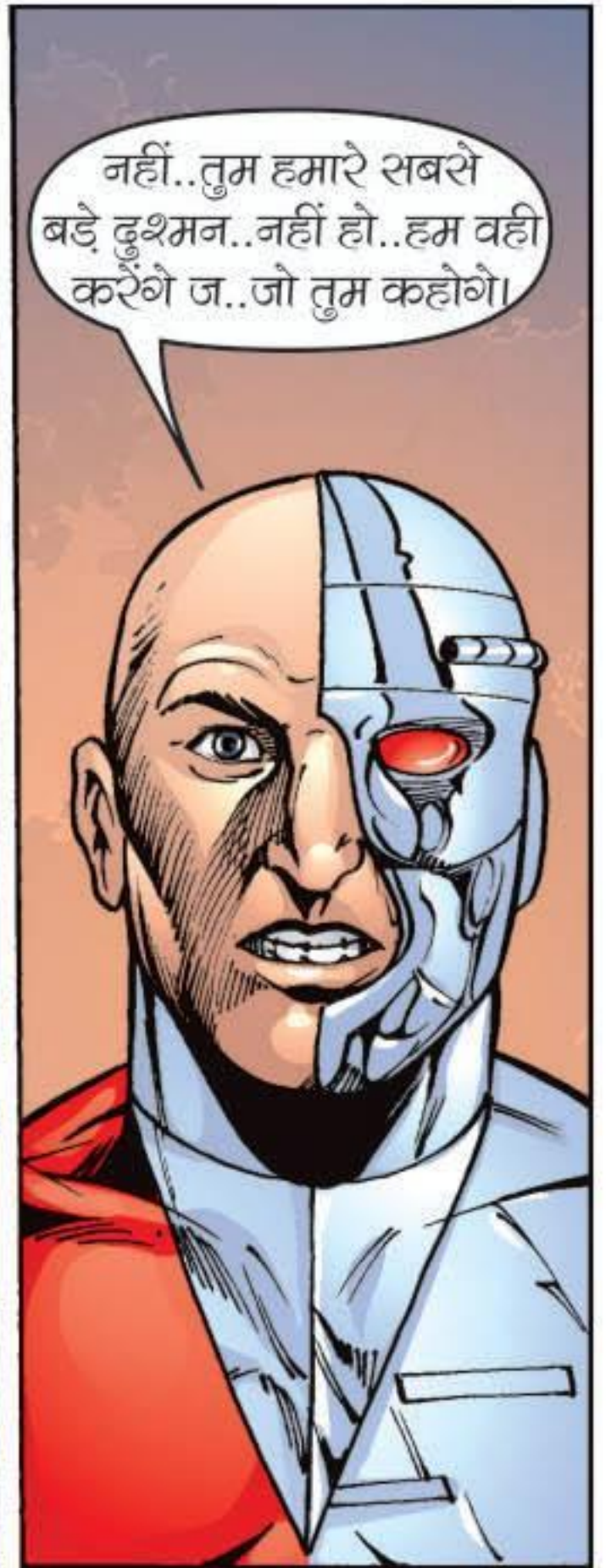
नहीं..तुम हमारे सबसे बड़े दुश्मन..नहीं हो..हम वही करेंगे ज..जो तुम कहोगे।

हां ध्रुव, हम आपस में क्यों लड़ रहे हैं? हम तो दोस्त हैं।
नहीं यह नहीं हो सकता इस लड़के ने इनकी फ्रीक्वेंसी कंट्रोल कर ली।
आप दोबारा डायनोसौर्स को क्रियाशील कर के इसे खत्म क्यों नहीं करवा देते?
किसी भी विचार के एक बार नष्ट होने के बाद उसे दुबारा क्रियाशील करना मुमकिन नहीं है डॉक्टर।
वैसे भी मैं अपनी काफी मानसिक ऊर्जा इन विशालकाय प्राणियों, रोबो की आर्मी और पुलिस फोर्स पर नष्ट कर चुका हूं।

अब मुझे अपनी मानसिक ऊर्जा सिर्फ एक ही जगह केंद्रित करनी है।
रोबो और नताशा गायब हो रहे हैं और साथ में हेलिकॉप्टर भी जिसका मतलब है...
मैं कई सौ फीट की ऊंचाई से गिरने वाला हूं।
और मेरी पहुंच के दायरे में ऐसी कोई चीज़ या इमारत नहीं है जिससे खुद को बचाया जा सके।
सिवाय बिजली के इन तारों के।
इनका प्रेशर मुझे स्प्रिंग की तरह उछाल देगा और मैं अपने शरीर को मिली इस अतिरिक्त गति को दिशा देकर...
...इस बिल्डिंग तक पहुंच जाऊंगा!
अब मुझे जल्द से जल्द पहुंचना होगा ...

ज्यूपिटर सर्कस
यहां इतना अंधेरा क्यों है?
आओ ध्रुव, हम सब तुम्हारा ही इंतजार कर रहे थे...
तुम्हारी इस आखिरी रात के लिए।
सुपर कमांडो ध्रुव की मौत की रात।

ऊफ! मानसिक शक्ति मेरे अपनों को ही मेरा दुश्मन बना रही है।
और इस बार मुझे इतना समय नहीं मिल रहा कि मैं इन्हें कंट्रोल कर सकूं।
धड़ाक..
वैसे भी मैं इन लोगों पर हाथ नहीं उठा सकता, यह जानते हुए भी कि यह वास्तविक ना होकर मेरी ही कल्पनाएं हैं।
..आओ बच्चे, काफी समय बीत गया हम लोगों को एक दूसरे से कुश्ती लड़े हुए, क्यों ना आज दो-दो हाथ हो जाएं?
कल्पनाओं में भी कोई भला अपने माता-पिता और गुरुओं को दर्द पहुंचा सकता है? नहीं।
और वह मानसिक शक्ति इसी बात का फायदा उठा रही है।

लेकिन इस फाईट के खास नियम हैं, तुझे सिर्फ इस गोल घेरे के भीतर ही मेरा मुकाबला करना है।
धड़ाक
यदि लड़ाई के दौरान तेरे जिस्म का कोई भी हिस्सा इस घेरे से बाहर निकला तो..
...निशानेबाज सुलेमान और छुरेबाज रंजन तुझे अपना निशाना बनाएंगे।
धांय
शक्क..
और तू जानता है ध्रुव कि इन दोनों का निशाना कभी नहीं चूकता।
अब मुकाबला करने के सिवा कोई दूसरा चारा नहीं है।
लेकिन मैं हरक्यूलिस पर वार नहीं करूंगा बल्कि उनके वारों को छकाते हुए ठीक उनके करीब पहुंच जाऊंगा।
अब तू गया ध्रुव।
क्योंकि मैं जानता हूं कि गुस्से में बिफरते हरक्यूलिस हमेशा अपने प्रतिद्वंदी को हवा में उठा कर दूर फेंकते हैं।
जैसे ही हरक्यूलिस मुझे फैंकेंगे रंजन और सुलेमान मुझ पर निशाना लगाएंगे, लेकिन उससे पहले ही मुझे अपने शरीर को एक खास कोण पर मोड़ कर इस सस्पेंशन केबल तक पहुंचना है।

सुलेमान की गोली मेरे बजाय इस सस्पेंशन केबल के निचले सिरे से टकराएगी जो कि रिंग को संभाले हुए है।
...और यह सस्पेंशन केबल मुझे असावधान पवन तक पहुंचा देगी।
सॉरी पवन, मैं आपकी बाइक उधार ले रहा हूं।
पकड़ो इसे, यहां से बाहर ना जाने पाए।
तू बहुत शातिर खिलाड़ी है ध्रुव इसमें कोई शक नहीं।

धड़ाक
...लेकिन मत भूल कि हम तेरे मां-बाप हैं।
धड़ाम
तुझे मैंने कितनी बार समझाया है कि खेल के किसी भी पहलु को अनदेखा नहीं करना चाहिए।
...वरना अंजाम हार ही होता है।
धाड़
और हारे हुए खिलाड़ी की सिर्फ एक ही सजा होती है।
ताड़

सजा-ए-मौत।
गर्रर्रर्रर्र र्रर्रर्र
हम्फ! आंखों के आगे अंधेरा छा रहा है, दिमाग भी सुन्न पड़ रहा है।
पता नहीं मेरी जान दम घुटने से निकलेगी या आरी से कट कर।

बिल्ली की ओर कभी बुरी नज़र मत डालो। वर्ना वह आंखें निकाल लेती है ठीक ऐसे।
खच्चाक
घर्रर्र
कमऑन ब्लैककैट। इन सी-ग्रेड विलेन्स के हाथों मारी जाए इतने भी बुरे दिन नहीं आए हैं तेरे।
यह सभी नीम पागल हैं।
जल्लू के दोस्त को मारा। जल्लू जला कर राख कर देगा।
फंदर के फंदे पर फांसी झूलेगी यह।
नहीं! रुको.. अस्थिमार को इसकी हड्डियां चाहिए।
और पागल अपने दिमाग का प्रयोग इस तरह एक-जुट होकर नहीं कर सकते।
यानी इन सबका दिमाग भी उसी शैतान के कब्जे में है।
शायद यह आग इन पागलों के दिमाग को आज़ाद करा सकती है।
फर्रर्रर्राश

इनको संचालित करने वाली मानसिक शक्ति इन्हें मेरा आदेश मानने से रोक रही है।
गर्रगुर्रघर्रर्राह!
गर्रर्र्र्र
लेकिन मुझ पर वार करने में इनकी झिझक इस बात का प्रमाण है...

...कि मेरे आदेश इन्हें भ्रमित कर रहे हैं।

मुझे इस बात का फायदा उठाना होगा।
मुझे सिर्फ ज्यूपिटर सर्कस के इस बब्बर शेर किंग पर अपना ध्यान केंद्रित करना है।

हाहाहाहा। ध्रुव को जन्म देने वाला ज्यूपिटर सर्कस ही आज ध्रुव को मौत देने वाला है।
जाओ मेरे साथियों, इस लड़के को खत्म करने में किंग की मदद करो।

जंगल की तरह सर्कस में भी बब्बर शेर ही सभी जानवरों का राजा होता है, किंग ज्यूपिटर सर्कस के सभी जानवरों का अगुवा है।
गर्रर्र्र्र्र
गर्रगुर्रघर्र! (अपने सभी साथियों को आदेश दो किंग कि वो सर्कस को तहस नहस कर दें, लेकिन किसी भी कलाकार पर हमला ना करें।)
ओह। इस लड़के ने किंग के दिमाग को अपने कब्जे में ले लिया है।

कड़ड़ड़ाक!
पीछा करो उसका।
बच कर जाएगा कहां, उसकी जड़ें तो इसी सर्कस से जुड़ी हुई हैं।
बहुत सारी फ्रीक्वेंसीज़ एक साथ क्रैश हो रही हैं, मेरी मानसिक ऊर्जा ज़रूरत से ज्यादा खर्च...
यह तो ब्लैक कैट है। ध्रुव के साथ ये भी मुझसे पहले टकरा चुकी है। यह यहां कैसे आ गई। इसे संभालो डॉक्टर, मेरा ध्रुव की फ्रीक्वेंसी कंट्रोल करना अत्यंत आवश्यक है।
धड़ाक
आ..आप फिक्र ना करें, मैं इसे देखता हूं।

रिचा मुझे सर्कस क्यों लाना चाहती थी यह मुझे अब समझ में आया।
मुझे बेहोश करने के लिए, रिचा ने मुझ पर किसी चीज़ से वार किया था।
इस आपाधापी में इस चीज़ की ओर मेरा ध्यान ही नहीं गया।
यह मेरे ज्यूपिटर सर्कस परिवार की सच्ची याद है।
तू अब ज्यूपिटर सर्कस की यादों का ही हिस्सा बनने वाला है ध्रुव।
क्योंकि जो मर जाते हैं वे सिर्फ यादों में ही रहते हैं।
नहीं मां! आप, पिताजी और मेरे ज्यूपिटर सर्कस के सभी साथी मेरी यादों में ही नहीं, मेरी जिंदगी के हर पल में, मेरे जिस्म में बहते लहू के हर कतरे में मेरे साथ रहते हैं।
जीना यहां, मरना यहां, इसके सिवा
आपने सही कहा था मां, मेरे जीवन के किसी भी पल में आप लोग कभी मुझसे दूर नहीं गए।
आज मेरी भावनाओं पर मेरा अंतर्मन हावी नहीं है पिताजी, और मुझे पता है कि आप भी अपनी भावनाओं पर किसी भी बाहरी शक्ति को हावी नहीं होने देंगे।
चाहे जब हमको
हम थे जहां
नहीं...यह नहीं हो सकता। सारी फ्रीक्वेंसीज़ क्रैश हो रही हैं... कुछ करो डॉक्टर।

सॉरी बॉक्सी! डॉक्टर तुम्हारी कोई मदद नहीं कर सकता क्योंकि यह पिटने में व्यस्त है। मेरे आगाह करने पर भी ये तुम्हारी मुंह दिखाई जो नहीं करा रहा।
धाड़

क्रैश हो गई। सभी फ्रीक्वेंसीज क्रैश हो गई। सारे किए कराए पर पानी फिर गया।
हम तुम्हारे साथ हैं ध्रुव और सदा तुम्हारे साथ ही रहेंगे।
मां-पिताजी!

अस्थिमार को लड़की की हड्डियां चाहिए।
शाबाश अस्थिमार, सही समय पर आया है तू!

समय तो अब हम सबका खराब होने वाला है डॉक्टर क्योंकि ध्रुव वापस आ रहा है।
इसका दिमाग अभी भी पूरी तरह जागृत नहीं है, इसे वस्तु स्थिति समझने में जितना समय लगेगा...

...उतना समय इसे काबू करने के लिए काफी है, पकड़ ले छोकरे को जल्दी।
कौन हो तुम?
अरे! तुमने मुझे पहचाना नहीं ध्रुव?
पहचानोगे भी कैसे, काफी साल बीत गए हमारा-आमना सामना हुए।

पर तुम तो खुद पागल खाने में थे, ठीक होकर बाहर कैसे निकले?

मैंने इसके दिमाग को कब्जे में लेकर इसे ठीक किया है ध्रुव।

मुझे बाहर निकालो डॉक्टर।

इस लड़के से आमने-सामने होने का वक्त आ गया है।

स्टार फिश★

हाहाहा। तूने मुझे पहचान लिया ध्रुव।

मरक्यूरी सर्कस में तूने मेरी ठण्ड बर्दाश्त ना कर पाने की कमजोरी का फायदा उठा कर मुझे हरा दिया था।

सर्कस वालों ने मुझे मरा समझ लिया।

आयप्पा और रंगाराजन कोई खतरा नहीं उठाना चाहते थे इसलिए उन्होंने मेरे शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर मुझे समुन्द्र में फिंकवा दिया।

बस यहीं गलती कर गए वे मूर्ख, मैंने अपनी एकल कोशिका से अपना शरीर पुनः बना लिया।

★ स्टार फिश के बारे में जानने के लिए पढ़ें 'सर्कस'।

"यह छोटा शरीर मेरे लिए अधिक उपयोगी है। तुझसे टकराकर मेरी क्षीण मानसिक शक्तियां किसी आम आदमी को सम्मोहित करने लायक भी नहीं बची थीं।"
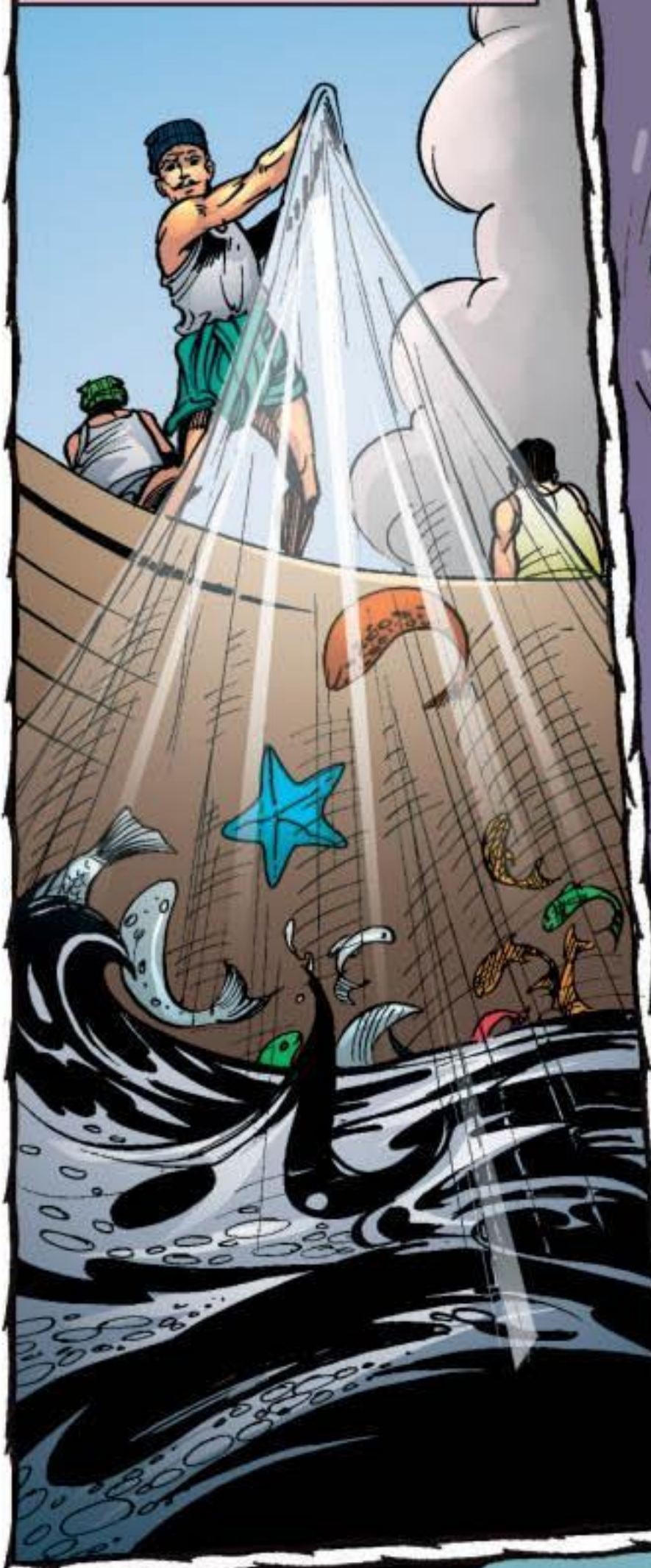
"पर पागलों का दिमाग मैं अब भी कंट्रोल कर सकता था।"
"किस्मत ने मुझे उसी पागलखाने पहुंचाया जहां शास्त्री भर्ती था, मैंने इसका मस्तिष्क अपने कब्जे में ले लिया।"
"मैंने अपनी शक्तियों की मदद से शास्त्री को पागलखाने से भगाया ताकि यह तुझ तक पहुंचने में मेरी मदद कर सके।"
"आखिर मेरी खोई मानसिक शक्तियां तेरी मानसिक ऊर्जा से ही तो वापस आनी थीं।"
अंतर्मन की अतृप्त इच्छाएं मानवों को स्वप्न के रूप में दिखने वाली फ्रीक्वेंसीज़ होती हैं ध्रुव, यही तरंगें मानसिक ऊर्जा संचालित करने वाला खजाना है।
"फ्रीक्वेंसी डिसरप्टर इन्हीं फ्रीक्वेंसीज़ को मानसिक ऊर्जा में कन्वर्ट कर मेरी शक्तियां बढ़ाता है।"

"पागल खाने से भागते वक्त डॉक्टर अपनी नई पागल कातिलों की टोली को भी अपने साथ ले आया था।"
"डॉक्टर ने तेरी कमांडो फोर्स को सूचना पहुंचाई कि इस वेयरहाउस में नशीले पदार्थों का बड़ा जखीरा स्मगल हो कर आया है।"

"यहां वेयरहाउस में जब तू इन पागलों से लड़ रहा था तब तुझ पर पीछे से वार कर के डॉक्टर ने तुझे बेहोश कर दिया।"
दूसरी मुसीबत उस रिचा ने खड़ी कर दी जिसे तेरे दिमाग ने क्रियान्वित नहीं किया था।
क्योंकि तेरे मस्तिष्क द्वारा उत्पन्न हर किरदार की अलग फ्रीक्वेंसी थी परन्तु रिचा की नहीं।
पर मैं नहीं जानता था कि रिचा स्वप्न में तुझे मेरी बर्बादी का सामान सौंप गई है।
यानी उसे तेरी इस स्थिति का पता था और उसका तुझसे भावनात्मक जुड़ाव इतना अधिक था कि वह अपने विचार तेरे सुप्त मस्तिष्क में संप्रेषित कर सके।
पर तब-तक तेरी ऊर्जा मुझे तेरे दिमाग की फ्रीक्वेंसीज़ कंट्रोल करने जितनी शक्ति प्रदान कर चुकी थी।
"डिसरप्टर से हम दोनोंके दिमाग जुड़ते ही मैंने तेरी अतृप्त इच्छाएं जान लीं।"
"तू स्वप्न में अपनी अतृप्त इच्छाएं पूर्ण करता रहा और मैं तेरी ऊर्जा सोखकर अपनी शक्तियां बढ़ाता गया।"
"परन्तु तेरे सुप्त मस्तिष्क ने ज़ुबिसको के जरिये तुझे यथार्थ में ना होने का एहसास करा दिया।"
तेरी मानसिक ऊर्जा से मुझे इंसानों को दोबारा गुलाम बनाने की शक्तियां मिल चुकी हैं।

जल्लू, अस्थिमार! खत्म कर दो इन दोनों को।
सस्पेंस खोलने के लिए थैंक्स लेकिन अफ़सोस तेरे पिटे हुए प्यादे इस लायक नहीं कि तेरे ऑर्डर्स फॉलो कर सकें।
धाड़
नहीं! यह आग मुझे खत्म कर देगी।मुझे बचा डॉक्टर!
इस पागल को मेरे ऊपर से हटा।
बैड न्यूज़ ध्रुव, मैंने वेयरहाउस में क्रूड ऑयल के कंटेनर्स रखे देखे हैं।
शरीर में जगह-जगह धंसे एक्वेरियम के कांच और दिमाग से हटे स्टार फिश के कंट्रोल ने जल्लू के पागलपन को चरम पर पहुंचा दिया है।
आग कंटेनर्स तक पहुंच गई है ब्लैक कैट। अब सिर्फ इतना ही समय बचा है कि...

...हम खुद को बचा सकें।
हम्फ! बाल बाल बचे, पर अफ़सोस हम डॉक्टर या किसी पागल को नहीं बचा सके।
जैसी करनी वैसी भरनी, मुझे कोई अफ़सोस नहीं है।
वैसे तुम यहां कैसे पहुंच गई ब्लैक कैट?
ब्लैक कैट अपने कान और दिमाग खुले रखती है, फिर मिलेंगे ध्रुव।
वूऊ वुऊ वूऊ वुऊ
जीना यहाँ मरना यहाँ इसके सिवा
जब पहली बार तुमने मुझे यह म्यूजिकल बॉक्स दिखाया था तभी से यह मेरे दिल-ओ-दिमाग में बस गया था।

जब मैं तुम्हारे सपने में आई तब इसके विचार को अपने साथ लेती आई और तुम्हें सौंप दिया।

...क्योंकि मैं जानती थी कि यही वह चीज़ है जो तुम्हें अपने विचारों से जीतने में मदद कर सकती है।

मेरे चौदहवें जन्मदिन पर मां-पिताजी और ज्यूपिटर सर्कस के सभी कलाकारों ने मुझे यह तोहफा दिया था।

इसमें उनका प्यार, उनका आशीर्वाद और उनकी यादें हैं रिचा। वे हमेशा मेरे साथ रहेंगे।

ज्यूपिटर सर्कस में जो भी हुआ उसके लिए मैं खुद को कभी माफ नहीं कर सका रिचा।

यदि उस रात मैंने आवेश में आकर ज़ुबिस्को को पकड़ने की कोशिश करने के बजाय सर्कसवासियों को बचाने की कोशिश की होती तो शायद मेरी अंतर्मन की इच्छाएं आज यथार्थ में मेरे साथ मौजूद होतीं।

मेरे दिल ने हमेशा अपनी उस भूल को सुधारने का एक मौका चाहा था। एक मौका अपने परिवार को बचाने का।

अब यह सच तो मैं तुम्हें बता नहीं सकती ध्रुव की ब्लैक कैट के रूप में मैं शुरू से तुम्हारे पीछे लगी हुई थी।

मैंने तुम्हारे स्टार ट्रांसमीटर पर एक छोटा सा डिवाइस लगाया है ध्रुव जो तुम्हारी पल प्रतिपल की खबर मुझे देता है।

जब स्टार फिश तुम्हारी मानसिक ऊर्जा चुरा रहा था मुझे उसका प्लान पता चल गया और मैंने योग निद्रा से अपना विचार तुम्हारे सपने में संप्रेषित कर दिया।

लेकिन स्टार फिश के अनुसार ऐसा तभी संभव है जब दो लोगों का एक-दूसरे से भावनात्मक रूप से बहुत गहरा सम्बन्ध हो ?

इस सवाल का मेरे हिस्से का जवाब तुम जानते हो और अपने हिस्से का जवाब अपने अंतर्मन से पूछ लो।
बाय ध्रुव!

जी चाहे जब हमको आवाज़ दो...हम हैं वहीं हम थे जहां

अरे गोलू, तुझे ये स्टार फिश कहां से मिली? यह तो घायल है।
प्यारी है ना? अब से यह मेरे साथ रहेगी।

समाप्त?

उनका इस दुनिया में कोई अपना नहीं...
...आज वो हर किसी से छीनना चाहते हैं उनके अपने..क्योंकि वो हैं...
स्पेशल्स
राज कॉमिक्स में सुपर कमांडो ध्रुव का स्पेशल विशेषांक!
HEMANT
ISHAN

समय और काल से परे, दो समान शक्ति वाले महायोद्धाओं के टकराव की कहानी जोकि भूत और भविष्य दोनों को ही बदल देगी..
इस टकराव में हारने वाला सदा के लिए अनंत समयगंगा में विलीन हो जाएगा और जीतने वाला कहलायेगा...
तक्षक
HEMANT TSHAN
नरक नाशक नागराज की मिस्र सभ्यता के सर्वशक्तिमान फराहो से टकराव की अभूतपूर्व गाथा।